



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... धन कृष्णारुद्धा

दिनांक २६. ११. २०२० पृष्ठ संख्या ४ कॉलम ४-८

कृषि संबंधित व्यवसाय की हर समस्या का समाधान एविक

जागरण संवाददाता, हिसार कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एप्री बिजेनेस इन्ड्यूशन केंद्र (एबिक) अहम भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एप्री स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एप्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रपतार के तहत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अनन्दाता की भूमिका अहम होती



है और किसान की मेहनत का कौशल सानी नहीं है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी अपने व्यवसाय के उच्च स्तर पर ले जाते हुए रोजगार सर्जन का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि एविक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप

को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने इनकूबोटी को महनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित

पश्चिमांश शरु

- चौधरी दरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थित एविक सेंटर में एग्री स्टार्टअप के लिए दो माह के प्रशिक्षण का शुभारंभ
 - देशभर से चयनित एग्री स्टार्टअप ले रहे हैं प्रशिक्षण, सीखेंगे व्यवसाय बढ़ाने के गुर

49 प्रतिभागियों का चयन, 20 फीसद महिलाएं एकिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा राणी ने बताया कि इस प्रशिक्षण में देशभर के चयनित इंवेस्टिटी व एपी स्टार्टअप्स ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण ले रहे हैं। एकिक केंद्र द्वारा गत दिनों प्रदेश व आसपास के राज्यों के युवाओं, किसानों व उद्यमियों से पहल व सफल कार्यक्रम के तहत आवेदन मार्ग गए थे जिसके तहत कुल 49 प्रतिभागियों का एक प्रक्रिया के तहत चयन किया गया था, जिसमें करीब 20 फीसद महिलाएं भी शामिल हैं। अब इन्हीं चयनित प्रतिभागियों को देशभर से मैटर प्रशिक्षण देंगे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालक एवं बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंह, सह-संचालक व सहायक मैनेजर शलेष सिंह, एकाजीवयूटिव राहुल दुहन, टिंकल मंगल, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि भी मौजूद रहे।

भी किया। उन्होंने
आयोजित किए जा-
के लिए आयोजकों
एवं बिक्रेतों में राष्ट्रीय
योजना- रफतार स्व-
अधिकारी डॉ. एस-

एविक द्वारा प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित एपी बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रश्नम पीढ़ी के एंटरप्रेनर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दैनिक भास्कर

दिनांक २६. ११. २०२२ पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ७-८

एबिक सेंटर में एग्री स्टार्टअप्स को दो माह के प्रशिक्षण का शुभारंभ

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इंक्युबेशन केंद्र (एबिक) अहम भूमिका निभा रहा है। यहां कुलपति प्रोफेसर से जानकारी समर सिंह।



स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। वे विविध स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालक एवं बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु, सह-संचालक व सहायक मैनेजर शलेंद्र सिंह, एकजीव्यूटिव राहुल दुहन, ट्रिवंकल मंगल, अर्पित तनेजा मोजूद थे।

किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रपतार के तहत किया जा रहा है। एबिक केंद्र में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रपतार स्कीम के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि यह केंद्र पीएम के प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए एबिक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। इस प्रशिक्षण में देशभर के चयनित इंक्यूबिटी व एग्री स्टार्टअप्स ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालक एवं बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु, सह-संचालक व सहायक मैनेजर शलेंद्र सिंह, एकजीव्यूटिव राहुल दुहन, ट्रिवंकल मंगल, अर्पित तनेजा मोजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब कृषि

दिनांक 26.11.2020 पृष्ठ संख्या.....2 कॉलम.....5-6

'कृषि और संबंधित व्यवसाय की हर समस्या का समाधान है एबिक'

हिसार, 25 नवम्बर (ब्यूरो): कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इंक्युबेशन केंद्र (एबिक) अहम भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित 2 माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को सम्मेलित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार के तहत किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि एबिक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने एबिक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस 2 माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालक एवं बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंह, सह-संचालक व सहायक मैनेजर शतेंद्र सिंह, एकजीक्युटिव राहुल दुहन, ट्रिवंकल मंगल, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	26.11.2020	04	01-02

कृषि और इससे संबंधित व्यवसाय की हर समस्या का समाधान है एबिक : प्रो. सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) अहम भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक द्वारा ऑनलाइन एग्री स्टार्टअप के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे।

प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना रफ्तार के तहत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर ले जाते हुए रोजगार सर्जन का कार्य करेंगे। एबिक में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना रफ्तार के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों

एग्री स्टार्टअप के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने शुरू किया ऑनलाइन प्रशिक्षण

और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है।

महिलाएं भी ले रही हैं हिस्सा : एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि एबिक द्वारा प्रदेश व आसपास के राज्यों के युवाओं, किसानों व उद्यमियों से पहल व सफल कार्यक्रम के तहत आवेदन मांगे गए थे। इसके तहत 49 प्रतिभागियों का चयन किया गया था, जिसमें कुछ महिलाएं भी शामिल हैं। अब इन प्रतिभागियों को देशभर से विशेषज्ञ प्रशिक्षण देंगे, जिनमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, उद्योगपति शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण के दौरान कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकेजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार को आगे बढ़ाने की संभावनाओं आदि के बारे में बताया जाएगा। इस कार्यक्रम में मैनेजर विक्रम सिंधु, सहायक मैनेजर शैलेंद्र सिंह, एजीक्यूटिव राहुल दुहन, ट्रिवंकल मंगल, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि भी मौजूद रहेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	26.11.2020	---	--

जागरूकता हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर में एग्री स्टार्टअप्स के लिए दो माह के प्रशिक्षण का शुभारंभ

कृषि व संबंधित व्यवसाय की हर समस्या का समाधान एविक : प्रो. सिंह

- देशभर से चयनित एग्री स्टार्टअप्स ले रहे हैं प्रशिक्षण, सीखेंगे व्यवसाय को आगे बढ़ाने के गर

हिमार (सच कहूँ-संवीधानसंहिता) कृष्ण और उससे जुड़े सहयोगी व्यक्तियों को हर समस्या के सामने आया में एपी बजेनेस इन्वेस्टेशन केंद्र (एपीक) अलू भूमिका निभा रहा है। वहाँ से जाकर गोरा हासिल करने एवं एपी स्टार्टअप अपें व्यक्तियों को ज्यादा तरीके से अपें गोरा हासिल करने की है। वह एपी बजेनेस कृष्ण विश्वविद्यालय के कुलपती प्रो. समर सिंह ने विश्वविद्यालय में स्थित एपीक



(एवं वक्त) अहं भूमका नन्हा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। वह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समरेंद्र सिंह ने विश्वविद्यालय में स्थित एवं विक

सेंटर द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय माध्यम से एपी स्टार्टअप के लिए अवोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुरुआती अवधि पर प्रशिक्षणियों को संबोधित करते हुए कहा। प्रशिक्षण का आगेजन केंद्र सरकार के कृषि विकास योजना-राष्ट्रपति द्वारा तृतीय किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय किसान की महेन्द्रन का कोइ सान नहीं है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से अपनी प्रतिभागी अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर ले जाए हुए रोजगार सर्ज का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि एक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप

देशभर के मेंट्र टेंगे पश्चिमाण, महिलाएं भी ले रही हैं किस्या

एकिक नी कोडल अवधिकारी डॉ. सीमा ननी ने मुख्यालयी का स्वाक्षर करते हुए पीढ़ी द्वारा आयोजित किए जा रहे इस दो महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विवरणीकृत जानकारी दी। उन्होंने कार्यालय का द्वितीय भाग में देशभूमि के विवरण खुलासे दिए और एस्ट्रोउरस औनिन्डा मामूल से शिखाया तो सहे हैं। पीढ़ी के द्वारा जात दिए प्रदेश व असामका के चरणों के युक्तों, कौनका व उच्चारों से सहज व सफल वर्चायणके तक्षण अधिकारी नाम दिये गये हैं। विवरणीकृत तक्षण 49 प्रतिभाविताओं का एक प्रत्येक्षया के तहत वर्णन दिया गया था, जिसमें कैरेक्ट 20 प्रतिभाविताएँ छोड़ दी गयी हैं। अब इन्हीं वर्णनों प्रतिभाविताओं को लेखांकन से नवर प्रिक्षिकारी द्वारा विश्लेषितालय के वैज्ञानिक, विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों द्वारा विशेषज्ञ विवरणीकृत रूप से वर्णित होते हैं। इन विशेषज्ञ वर्णनों के सहायता से विज्ञानी नेतृज द्वारा विश्लेषण करते हुए विवरणीकृत रूप से वर्णित मामूल विवरणों का उत्पादन होता है। एक विवरणीकृत रूप से वर्णित मामूल विवरणों का उत्पादन होता है।

को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निराधर है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उठाने इनवेंबेटों को मैनहट करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उठाने एवं काम द्वारा आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम के लिए आयोजकों की सहाना की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	26.11.2020	--	--

कृषि और संबंधित व्यवसाय की हर समर्थ्या का समाधान है एबिक : प्रोफेसर समर सिंह

हैलो हिसार न्यूज़

हिसार : कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समर्थ्या के समाधान में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन केंद्र(एबिक) अहम भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री



स्टार्टअप्स में एग्री स्थित एबिक सेंटर में एग्री स्टार्टअप्स के लिए दो माह के बेहतर तरीके से प्रशिक्षण का शुभारंभ आगे बढ़ा

सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर

प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण मेहनत का कोई सानी नहीं है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर ले जाते हुए रोजगार सर्जन का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि एबिक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने इनक्यूबेटी को मेहनत

करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने एबिक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम के लिए आयोजकों की सराहना की। एबिक केंद्र में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रप्तार स्कीम के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एस.के. सहरावत ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केंद्र माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	25.11.2020	--	--

हकूमि में स्थित एबिक सेंटर में एग्री स्टार्टअप्स के लिए दो माह के प्रशिक्षण का शुभारंभ

कृषि और संबंधित व्यवसाय की हर समस्या का समाधान है एबिक : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय को हर समस्या के साथान में एग्री विज़नेस इन्ड्यूक्शन केंट्र (एबिक) अहम् भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी लानीकर तक एग्री स्टार्टअप्स अनेक व्यवसाय को ज्ञान बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चारण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा अनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों का सम्बांधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन केंट्र सरकार के कृषि एवं विद्यान कल्याण विभाग राजीव कृषि विकास योजना-परामर के तहत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अनुदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। इस



प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी अनेक व्यवसाय को उच्च स्तर पर ले जाते हुए योग्यतार सलन का कार्य करें। उन्होंने कहा कि एबिक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यक्रम में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने इन्ड्रेक्टों की मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को अगे ले जाने के लिए प्रोत्तमाहित

भी किया। उन्होंने एबिक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम के लिए आयोजकों की सराहना की। एबिक केंद्र में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना- रसायन स्कैप के नियन्त्रण अधिकारी डॉ. एस.के. सहराओत ने इन्ड्रेक्टों को संसोधित करते हुए कहा कि यह केंद्र माननीय प्रधानमंत्री नंदा मोदी जी के प्रत्येक व्यक्ति के स्वामिन व आर्थिक बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एग्री विज़नेस इन्ड्यूक्शन सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रथम पीढ़ी के एंट्रेप्रेनरों को आगे ले जाने में महत्वात हो रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रशिक्षण के दौरान कुछ ऐसे समाज स्टार्टअप्स के सामने आगे बढ़ने के लिए दूसरे बदले के विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, उद्योगपति शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण के दौरान क्षेत्र में स्वीकृति, समर्पण, पैकिंग व चार्डिंग करते व्यापार को आगे बढ़ने की संघावनों, युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौरस व उन्हें नवचारों को निखारन के अलावा अपना व्यवसाय स्थापित करने में आगे वाली प्रारंभिक दिक्कतों, इंफ्रास्ट्रक्चर, तकनीकी अवधारणा, लाइसेंसिंग, फार्डिंग, विपणन, कनूनी विकल आदि को लेकर पूरी प्रक्रिया द्वारा गत दिनों प्रदेश व आसपास के जग्यों के युवाओं, किसानों व उद्यमियों से वहल व सफल कार्यक्रम के तहत आवेदन मार्ग गए थे जिसके तहत कुल 49 प्रतिभागियों का

एक प्रक्रिया के तहत चयन किया गया था, जिसमें करीब 20 प्रतिशत महिलाएं भी शमिल हैं। अब इन्हीं चयनित प्रतिभागियों को देशभर से मंटर प्रशिक्षण देने विज़नेस इन्ड्यूक्शन सेंटर के वैज्ञानिक, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, उद्योगपति शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण के दौरान क्षेत्र में प्रशिक्षण, समर्पण, पैकिंग व चार्डिंग करते व्यापार को आगे बढ़ने की संघावनों, युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौरस व उन्हें नवचारों को निखारन के अलावा अपना व्यवसाय स्थापित करने में आगे वाली प्रारंभिक दिक्कतों, इंफ्रास्ट्रक्चर, तकनीकी अवधारणा, लाइसेंसिंग, फार्डिंग, विपणन, कनूनी विकल आदि को लेकर पूरी प्रक्रिया इंफ्राक्षट्रीटी व एग्री स्टार्टअप्स अनलाइन व्यापार में विस्तारपूर्वक बताया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालक द्वारा विज़नेस मैनेजर विक्रम सिंह, सह-संचालक व सहायता कार्यक्रम के तहत आवेदन मार्ग गए थे जिसके तहत कुल 49 प्रतिभागियों को



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	25.11.2020	--	--

कृषि और संबंधित व्यवसाय की हर समस्या का समाधान है एविक : वीसी

हृषि स्थित एविक सेंटर में एग्री स्टार्टअप्स के लिए दो माह के प्रशिक्षण का शुभारंभ

समस्त हरियाणा न्यूज हिसार। कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री विजेस इन्डुस्ट्रीज केंट्र (एविक) अहम भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप्स अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रस्ता के तहत चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थित एविक



सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रस्ता के तहत किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के

अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मैहनत का कोई सारी नहीं है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर ले जाते हुए रोजगार सर्जन का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि एविक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है।

देशभार के मेंटर देंगे प्रशिक्षण, महिलाएं भी ले रही हैं हिस्सा

एविक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा यानी ने मुख्यालिख का स्वागत करते हुए एविक द्वारा आयोजित किए जा

रहे इस दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में देशभार के चर्यनित इंवेस्टिटी व एग्री स्टार्टअप्स औनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण ले रहे हैं। कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारने के एविक केंद्र द्वारा यह दिनों प्रदेश व असाधा आयोजित करने में आसाधा के गज्जों के युवाओं, किसानों तक निभाने के लिए आवश्यकता, लाइसेंसिंग, फॉर्मिंग, विपणन, कानूनी दिक्षित आदि को कुल 49 प्रतिभागियों का एक प्रक्रिया के लिए यूरो प्रक्रिया के बारे में तहत चयन किया गया था, जिसमें करीब 20 प्रतिशत महिलाएं भी शामिल हैं। अब इन्हीं चयनित प्रतिभागियों को देशभार से मेंटर प्रशिक्षण देंगे जिनमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, उद्योगपति शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण के दौरान कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य स्वर्धन, सर्विसिंग, पैकिंग व ब्रॉडिंग करके व्यापार को आगे बढ़ाने की संभावनाओं, युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारने के एविक अलावा अपना व्यवसाय स्थापित करने में आसाधा के गज्जों के युवाओं, किसानों तक निभाने के लिए आवश्यकता, लाइसेंसिंग, फॉर्मिंग, विपणन, कानूनी दिक्षित आदि को कुल 49 प्रतिभागियों का एक प्रक्रिया के लिए यूरो प्रक्रिया के बारे में तहत चयन किया गया था, जिसमें करीब 20 प्रतिशत महिलाएं भी शामिल हैं। अब इन्हीं चयनित प्रतिभागियों को देशभार से मेंटर प्रशिक्षण देंगे जिनमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, उद्योगपति शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण के दौरान कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य मंगल, अपिंत तनेजा, मनोषा मणि भी मौजूद रहें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	25.11.2020	--	--

हकूमि में स्थित एबिक सेंटर में एग्री स्टार्टअप्स के लिए दो माह के प्रशिक्षण का शुभारंभ

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इन्क्युबेशन केंद्र(एबिक) अहम भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुमर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अवदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर ले



जाते हुए रोजगार संर्जन का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि एबिक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यक्राल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा गानी ने एबिक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। केंद्र द्वारा गत दिनों प्रदेश व आसपास के राज्यों के युवाओं, किसानों व उद्यमियों से पहल व सफल कार्यक्रम के तहत आवेदन मांगे गए थे जिसके तहत कुल 49 प्रतिभागियों का एक प्रक्रिया के तहत चयन किया गया था, जिसमें करीब 20 प्रतिशत महिलाएं भी शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	25.11.2020	--	--

कृषि और संबंधित व्यवसाय की हर समस्या का समाधान है एबिक : प्रोफेसर समर सिंह



पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 25 नवम्बर : कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इन्क्युबेशन केंद्र (एबिक) अहम् भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण

सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान

कल्याण विभाग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रपतार के तहत किया जा रहा है। एबिक केंद्र में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रपतार स्कीम के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एस.के. सहरावत ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केंद्र माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एग्री बिजनेस इन्क्युबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस प्रशिक्षण के दौरान कुछ ऐसी सफल स्टोरी भी बनें जो इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए दूसरों के सामने एक आदर्श स्थापित कर सकें। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि कुल 49 प्रतिभागियों का एक प्रक्रिया के तहत चयन किया गया था, जिसमें करीब 20 प्रतिशत महिलाएं भी शामिल हैं। अब इन्हीं चयनित प्रतिभागियों को देशभर से मेंटर प्रशिक्षण देंगे जिनमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, उद्योगपति शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालक एवं बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु, सह-संचालक व सहायक मैनेजर शलेंद्र सिंह, एकजीक्युटीव राहुल दुहन, दिवंकल मंगल, अर्पित तनेजा, मनोषा मणि भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा वाटिका	25.11.2020	--	--

कृषि और संबंधित व्यवसाय की हर समस्या का समाधान है एबिक : प्रोफेसर समर सिंह

वाटिका@हिसार। कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन केंद्र(एबिक) अहम भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार के तहत किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अननदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर ले जाते हुए रोजगार सर्जन का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि एबिक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने इनक्यूबेटी को मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे



ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने एबिक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम के लिए आयोजकों की सराहना की। एबिक केंद्र में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना- रफ्तार स्कीम के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एस.के. सहरावत ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केंद्र माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस प्रशिक्षण के दौरान कुछ ऐसी सफल स्टोरी भी बनें जो इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए दूसरों के सामने एक आदर्श स्थापित कर सकें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	25.11.2020	--	--

किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं : कुलपति

हिसार/25 नवंबर/रिपोर्टर

कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन केंद्र (एबिक) अहम भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ पर प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय

कृषि विकास योजना-रप्तार के तहत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अननदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर ले जाते हुए रोजगार सर्जन का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि एबिक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने इनक्यूबेटी को मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। एबिक केंद्र में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-

रप्तार स्कीम के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एसके सहरावत ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केंद्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेनरों को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस प्रशिक्षण के दौरान कुछ ऐसी सफल स्टोरी भी बनें जो इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए दूसरों के सामने एक आदर्श स्थापित कर सकें। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने इस दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। इस

प्रशिक्षण के दौरान कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार को आगे बढ़ाने की संभावनाओं, युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारने के अलावा अपना व्यवसाय स्थापित करने में आने वाली प्रारंभिक दिक्कतों, इंफ्रास्ट्रक्चर, तकनीकी आवश्यकता, लाइसेंसिंग, फंडिंग, विपणन, कानूनी दिक्कत आदि को लेकर पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक बताया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालक एवं बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु, सह-संचालक व सहायक मैनेजर शलेंद्र सिंह, एकजीवन्युटीव राहुल दुहन, द्विंकल मंगल, अर्पित तनेजा, मनीष मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

मैनक भट्ट

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २६. ११. २०२० पृष्ठ संख्या..... ४ कॉलम..... ५-८

परामर्श • वैज्ञानिकों ने किसानों को उन्नत किस्मों के बारे में ध्यान देने की दी सलाह हरियाणा जई 8, एचएफओ 114 की बुवाई कर प्रति एकड़ 220 से 240 विवंटल पैदावार पाएं किसान

• नवंबर और दिसंबर माह के पहले सप्ताह में की जा सकती है जई की बुवाई

महबूब अली | हिसार

जई रबी मौसम की महत्वपूर्ण चारे की फसल है। इसकी खेती सिंचात व कम सिंचाई वाले क्षेत्रों में सफलता पूर्वक की जा सकती है। इसका हरा चारा बहुत ही स्वादिष्ट, पौष्टिक व पाचनशील होता है। इसके हरे चारे में 8-10 प्रतिशत प्रोटीन, 18-23% शुष्क पदार्थ व 60-65% पाचनशीलता होती है। जई की हरियाणा जई 8, एचएफओ 114 की बुवाई कर प्रति एकड़ 220 से लेकर 240 विवंटल तक की पैदावार ली जा सकती है। एचएयू के वैज्ञानिक भी किसानों को जई की उन्नत किस्म के बारे में जानकारी दे रहे हैं। सर्वियों में इसके हरे चारे को बरसीम या गेहूं के भूसे के साथ मिलाकर पशुओं को खिलाया जाता है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि जई की उन्नत किस्मों के बारे में प्रदेश के किसानों को जागरूक किया जा रहा है।

जानिए... जई के लिए कौन सी मिट्टी होती है उपयुक्त, कौन सी किस्म की करें बुवाई

विवि के चारा अनुभाग के

वैज्ञानिक डॉ. सतपाल ने बताया कि इसकी सफल खेती के लिए रेतीली-दोमट भूमि सबसे उपयुक्त होती है। यह लूपी व सेम वाली भूमियों में नहीं उगाई जा सकती। उहोंने बताया कि जई की ओ.एस. 6 व ओ.एस. 7 उन्नत किस्में समस्त हरियाणा के जई उगाने वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। ये शीघ्र व सीधी बढ़ने वाली किस्में हैं। इनके पते चैंडे व बालियां निकलने के समय ऊपर का पता सीधा खड़ा होता है। इनकी हरे चारे की पैदावार 200-220 विवंटल प्रति एकड़ है। जई की ओ.एस. 403 किस्म समय पर बोई जाने वाली, सामान्य उर्वरता वाली मुदा और सिंचाई वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त हैं। इसके हरे चारे की पैदावार लगभग 240-260 विवंटल प्रति एकड़ है।



एचएयू में उगाई गई फसल। (फोटो फाइल)

किस्में : एचएयू के वैज्ञानिकों के अनुसार एच.एफ.ओ. 114 सीधी बढ़ने वाली व पूरे हरियाणा के लिए उपयुक्त है। यह कटाई के बाद जलदी-जलदी बढ़ती है। इसके दाने मोटे होते हैं व हरे चारे की पैदावार 220-240 विवंटल प्रति एकड़ है। इसी प्रकार हरियाणा जई 8 किस्म के हरे चारे की पैदावार लगभग 240-260 विवंटल प्रति एकड़ है।

बिजाई : हल्के बीजों वाली किस्म (ओ.एस. 6, ओ.एस. 7 व एच.जे. 8) का 30 किग्रा. एवं मोटे बीजों वाली किस्मों (एच.एफ.ओ. 114) का बीज 40 किग्रा. प्रति एकड़ प्रयोग करें। जई की बिजाई 22-25 सेमी. चौड़ी लाइनों में उचित नमी की अवस्था में केरा विधि से व कम नमी वाली भूमि में पोरा विधि द्वारा करनी चाहिए।

खरपतवारों की रोकथाम
जई में निराई-गुडाई की विशेष जरूरत नहीं होती किन्तु खेत में उगने वाले खरपतवारों जैसे जंगली जई, बाथु व खरबाथु आदि की रोकथाम के लिए सिंचाई के बाद आवश्यक हो तो कर देनी चाहिए। एक कटाई देने वाली किस्मों की कटाई 50 प्रतिशत बालियां आने पर करनी चाहिए।